NEWSLETTER

GOLD : 52540
SILVER : 61745
CRUD OIL : 6304

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

26/11/2022

अशोक नीलावार,
यवतमाल,
महाराष्ट्र

किसान की आवाज

कपास सीड प्रोडक्शन को गंभीरता से ले सरकार

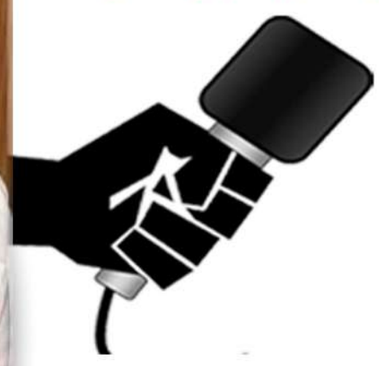

मैं पिछले **40** साल से कपास की खेती कर रहा हूं। लगभग हर साल **40** से **45** एकड़ जमीन पर कपास की बुआई करता हूं। कपास की पैदावार साल-दर-साल गिरती जा रही है, खास कर पिछले **10** सालों में फसल की क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों का ही ग्राफ बहुत गिरा है। इस साल भी अनुमान लगाया जा रहा है कि **350** लाख गांठ की आवक होगी। जबकि जिस अनुपात में कपास का रकबा बढ़ाया गया था उसके अनुसार आवक **400** से **450** लाख गांठ की होनी चाहिए थी। पैदावार कम होने की सबसे प्रमुख वजह है कपास का पुराना हो चुका सीड। अब समय आ चुका है जब सरकार को सीड प्रोडक्शन के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा।

सीड पैकेट पर कोई लेबल नहीं

पिछले कुछ सालों से किसानों को जो सीड उपलब्ध कराया जा रहा है उसके पैकेट पर ना तो कोई सील होती है ना ही कोई लेबल। जबकि एक नमक के पैकेट पर भी सारी जानकारी उपलब्ध होती है। दरअसल, कपास का सीड पहले सरकार उपलब्ध कराती थी। तब 450 ग्राम के पैकेट पर नीले कलर का सर्टिफाइड लेबल भी लगा होता था। लेकिन पिछले 3-4 साल से जो पैकेट हम खरीद रहे है उस पर कोई लेबल नहीं होता। खराब सीड की वजह से ही पैदावार कमजोर होती जा रही है। अब समय आ चुका है कि सरकार को सीड प्रोडक्शन के क्षेत्र में आना होगा और बेहतर क्वालिटी का सीड उपलब्ध कराना होगा।

प्रोडक्शन पर टिकी नींव

मैं एक एग्रीकल्चर ग्रेज्युएट भी हूं। इसलिए जानता हूं कि एक निश्चित समय अंतराल पर फसल का सीड बदलना जरूरी होता है। हमारे यहां लंबे समय से कपास का सीड बदलने की आवश्यकता है। देश में 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार देने वाली टेक्सटाइल इंडस्ट्री की नींव कपास पर ही टिकी है। इंडस्ट्री को भयानक परिस्थिति से बचाना है तो सरकार को तुरंत प्रभाव से सीड प्रोडक्शन की दिशा में काम करना होगा।

क्या करें किसान

इस सीजन की आवक शुरू हो चुकी है लेकिन बहुत धीमी है। ज्यादातर लोग कह रहे है कि किसानों को फसल की ज्यादा रकम चाहिए इसलिए वे इसे बेचने की जगह स्टॉक कर रहे है। कुछ हद तक यह बात सही भी है लेकिन ऐसा करने के अलावा किसान के पास कोई रास्ता भी नहीं है। दरअसल, कपास की फसल की लागत दिनों-दिन बढ़ती जा रही है और प्रति एकड़ पैदावार कम होती जा रही है। इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है।

टेक्सटाइल बिजनेस में नीत नई ऊंचाइयां छू रहा बंगलादेश

कपास प्रोडक्शन बढ़ाने की दिशा में बंगलादेश में किए जा रहे प्रयोग

बंगलादेश में कपड़ा और परिधान उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। कपास खपत में चीन में बाद यह देश दुनिया में दूसरे नंबर पर आ चुका है। गारमेंट एक्सपोर्ट में भी यह शीर्ष देशों में शामिल है। बावजूद इसके कृषि योग्य भूमि नहीं होने की वजह से यहां कपास का प्रोडक्शन बहुत कम है। बंगलादेश में अपनी मांग का केवल 3 से 4 प्रतिशत कपास यानी 8 मिलियन गांठ हा ही सालाना प्रोडक्शन होता है। इस वजह से यह देश अपनी कपास आपूर्ति के लिए कपास आयात पर आत्मनिर्भर है। इसी आत्मनिर्भरता को कम करने और देश में कपास प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए वहां नई किस्म सीवीडी-तुला1 का का विकास किया जा रहा है।

दरअसल, बंगलादेश के कृषि मंत्रालय व कई अन्य संगठनों ने मिलकर एक नई किस्म को विकसित किया है। वर्तमान में 1हजार से अधिक किसान इसके रोपण प्रक्रिया का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस किस्म को तैयार करने में बंगलादेश को 5 साल लगे है।

बंगलादेश के सीबीडी के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अख्तारूज्जमां ने बताया कि हमारे देश में जो कपास लगाया जा रहा था उसे परिपक्व होने में 180 दिन लगते थे। जबकि इस नई किस्म के प्रयोग से 140 से 150 दिन में ही फसल को काटा जा सकेगा। अवधि कम होने से अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता नहीं होगी। इतना ही नहीं इस किस्म के प्रयोग से कपास की उपज क्षमता भी 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाएंगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि तेज गति से पैदावार में वृद्धि होने से किसानों की आय में भी 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी होगी।

NEWSLETTER

BSE 62,293.64

DOWJONES 34,368.5 +174.4

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

26/11/2022

अजब गजब

नए साल से पहले नरमा होगा 20 हजार के पार??

कपास बाजार में सट्टे को हटाने की बात की जा रही है लेकिन यहां निजी तौर पर भी कपास भाव को लेकर शर्त लगाना शुरू की जा चुकी है। ऐसा ही एक अजब-गजब वाकिया हुआ पंजाब के एक गांव कावणी में। यहां दो लोगों के बीच यह शर्त लगी है कि 1 जनवरी 2023 से पहले नरमा के भाव 20 हजार पार हो जाएंगें। इतना ही नहीं शर्त को वाजिब करार देने के लिए इन्होंने पंचायत के सामने लिखित में अपनी बात दी है और 50-50 हजार रूपए पंचायत को जमा भी कर दिए है। इन दोनों की इस शर्त से पूरे कस्बे में किसानों के बीच ऐसा माहौल बन गया है कि वे ज्यादा भाव की आस में नरमा बेचने की बजाय रोक कर रख रहे है।

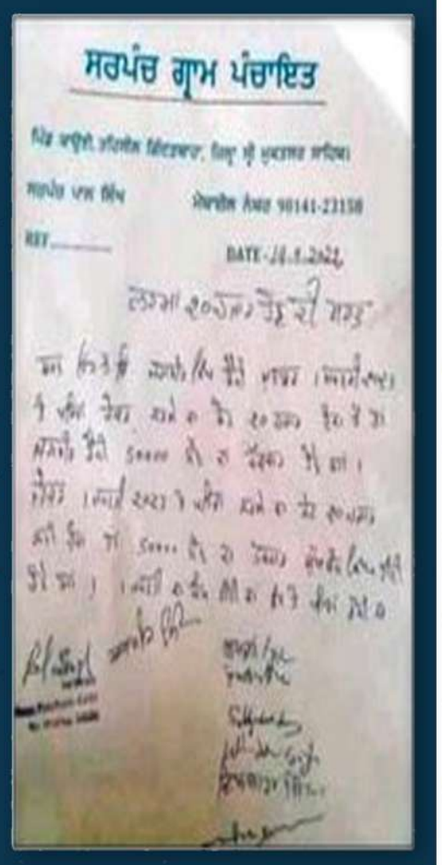

टेक्सटाइल सेग्मेंट के लिए राहतभरा रहा यह सप्ताह

21 से 26 नवंबर के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर-

टेक्सटाइल निवेशकों के लिए यह सप्ताह थोड़ी राहत लेकर आया। दरअसल, इस सप्ताह टेक्सटाइल सेग्मेंट के शेयर्स ने मार्केट में दमदार वापसी की। पिछले सप्ताह जहां एकमात्र रेमण्ड कंपनी के शेयर्स ने बढ़त हासिल की थी, वहीं इस सप्ताह रेमण्ड को छोड़ अन्य सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर प्राइज बढ़े है। आइए जानते है बीएससी के मंच पर प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स की साप्ताहिक रिपोर्ट-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	341.3	343.2	327.3	1.88%
अरविद लिमिटेड	93.2	94.45	90.1	2.19%
वेलसपन इंडिया	80.75	82.6	75.6	4.67%
नितिन स्पिनर्स	199.6	200	182.25	5.05%
रेमण्ड	1322.15	1351.4	1255.4	-1.90%
अक्षिता कॉटन	36.6	38.8	35.5	-4.81%

जानिए कॉटन के लिए कैसा रहा नवंबर माह

कॉटन के लिए नवंबर का महीना मिला-जुला कहा जा सकता है। क्योंकि इस महीने के पहले दो सप्ताह में जहां कॉटन के दामों में इजाफा हुआ वहीं दूसरे दो सप्ताह में कॉटन के भाव में गिरावट दर्ज की गई। इस सप्ताह इंटरनेशनल कॉटन एक्स्चेंज मार्केट में जहां कॉटन के दाम घटे है वहीं एमसीएक्स पर नवंबर माह के भाव में बढ़त हुई है जबकि दिसंबर माह क भाव में कमी देखी गई है।

आईस कॉटन पर 26 नवंबर तक दिसंबर, मार्च और मई महीनों के सौदा भाव में क्रमशः 5.59, 5.49 और 5.1 की कमी देखी गई। जबकि एमसीएक्स पर नवंबर और दिसंबर माह के लिए कॉटन भाव में क्रमशः 910 और 280 रूपए की बढ़त दर्ज की गई है।

एनसीडीएक्स पर कपास और खल दोनों के ही भाव में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल माह के लिए कपास के सौदा भाव में 26 नवंबर तक 78 अंक की बढ़त दर्ज की गई जबकि इस सप्ताह में इसके भाव 21 रूपए बढ़े। वहीं खल के भाव अब तक इस माह में दिसंबर, जनवरी और फरवरी माह के लिए क्रमशः 221, 126 और 102 रूपए बढ़े है।

अन्य इंटरनेशनल एक्सचेंज मार्केट में लगभग सभी देशों में इस सप्ताह कॉटन के भाव में कमी आई है। जबकि इस माह अब तक केवल ब्राजील कॉटन इंडेक्स और यूएसडीए स्पॉट रेट पर कॉटन के भाव घटे है अन्य जगह भाव में इजाफा हुआ है। करंसी के लिए भी नवंबर माह काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा।

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY AND MONTHLY CHART 26.11.2022

ICE COTTON						
MONTH	04.11.22	11.11.22	18.11.22	25.11.22	WEEKLY CHANGE	MONTHLY CHANGE
DEC	86.93	88.20	85.16	81.34	-3.82	-5.59
MARCH	85.67	86.33	83.78	80.18	-3.6	-5.49
MAY	84.63	85.56	83.07	79.53	-3.54	-5.1
MCX (BALES)						
NOV	31990	33210	32240	32900	660	910
DEC	30950	31800	31380	31230	-150	280
NCDEX (KAPAS)						
APRIL	1653	1752	1710	1731	21	78
NCDEX (COCUD KHAL)						
DEC	2639	2770	2669	2860	191	221
JAN	2599	2668	2625	2725	100	126
FEB	2620	2690	2655	2722	67	102
CURRENCY ($)						
INDIAN (Rupee)	82.44	80.80	81.7	81.69	-0.01	-0.75
PAK (Pakistani Rupee)	221.5	221.559	222.453	223.488	1.035	1.988
CNY (Chinese yuan)	7.18518	7.10817	7.11988	7.17503	0.05515	-0.01015
BRAZIL (Real)	5.05603	5.32518	5.38223	5.41008	0.02785	0.35405
AUSTRALIAN Dollar	1.54735	1.48953	1.4981	1.48132	-0.01678	-0.06603
MALAYSIAN RINGGITS	4.74799	4.62698	4.55378	4.47907	-0.07471	-0.26892
COTLOOK "A" INDEX	100.1	103.55	104.05	101.35	-2.7	1.25
BRAZIL COTTON INDEX	99.91	99.12	99.77	96.71	-3.06	-3.2
USDA SPOT RATE	86.89	87.56	82.74	79.14	-3.6	-7.75
MCX SPOT RATE	31360	32360	33100	32960	-140	1600
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	16500	16700	17400	16700	-700	200